राष्ट्रीय संस्करण

वर्ष 3 अंक 291

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, रविवार, 29 मार्च 2020

# दैनिक जागरण

www.jagran.com

पृष्ठ 14

पीएम राहत कोष में अक्षय कुमार ने दिए 25 करोड़ रुपये

>> 5

**कोरोना मीटर**

(स्रोत : वर्ल्डोमीटर्स डॉट इंफो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय)

| | विश्व | अमेरिका | इटली | भारत | (22 मार्च) | दिल्ली |
|---|---|---|---|---|---|---|
| कुल केस | 6,22,157 | 1,05,726 | 86,498 | 972 | 352 | 49 |
| मौतें | 28,799 | 1,730 | 9,134 | 25 | 4 | 2 |
| स्वस्थ हुए | 1,37,364 | 2,538 | 10,950 | 83 | 23 | 5 |

**भारत के प्रमुख राज्य**

| राज्य | केस | मौतें |
|---|---|---|
| महाराष्ट्र | 181 | 5 |
| केरल | 176 | 1 |
| तेलंगाना | 65 | 1 |
| कर्नाटक | 76 | 2 |
| उत्तर प्रदेश | 65 | 0 |
| राजस्थान | 54 | 0 |
| गुजरात | 55 | 3 |
| तमिलनाडु | 41 | 1 |
| अन्य | 210 | 12 |

समय : रात 11 : 00 बजे तक

**अन्य प्रमुख देश**

| देश | केस | मौतें |
|---|---|---|
| चीन | 81,394 | 3,295 |
| स्पेन | 72,248 | 5,812 |
| जर्मनी | 53,340 | 399 |
| ईरान | 35,408 | 2,517 |

### निश्चिंत रहें, पूरी तरह सुरक्षित है आपका अखबार

आप सब इससे अवगत ही होंगे कि प्रख्यात डॉक्टर, वैज्ञानिक, स्वास्थ्य विशेषज्ञ आदि बार-बार यह कह रहे हैं कि अखबारों से कोरोना वायरस के संक्रमण फैलने का कोई खतरा नहीं है। आप पूरी तरह निश्चिंत होने के लिए इस क्यूआर कोड को स्कैन करके खुद देख सकते हैं कि आपका प्रिय दैनिक जागरण समाचार पत्र कितने सुरक्षित तरीके से छपकर आपके हाथों में पहुंचता है। सतर्कता और सजगता की यह प्रक्रिया हम हर दिन-हर क्षण अपनाते हैं, क्योंकि आपकी तरह हम भी कोरोना को परास्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस प्रतिबद्धता को और प्रबल करने के लिए यह आवश्यक है कि आप समाचारों के सबसे विश्वसनीय स्रोत से जुड़े रहें। आपकी तरह हमें भी यह भरोसा है कि हम यह जंग जीतेंगे।

### हेल्पलाइन नंबर

कोरोना से जुड़ी सही जानकारी देने के लिए भारत सरकार और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वाट्सएप हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। इन नंबरों को मोबाइल में सुरक्षित करके कोई भी प्रामाणिक सूचना पाई जा सकती है। कृपया नंबर दर्ज करके वाट्सएप पर सिर्फ नमस्कार का संदेश भेजें। तुरंत एक मेन्यू आएगा, जिसके अनुसार वांछित जानकारी ली जा सकती है।

who:+41 798931892

mygov : +919013151515

कर्फ्यू में ढील देने के खिलाफ लोग पहुंचे हाई कोर्ट • पेज 4

दवा के लिए सीडीआरआइ ने की अनुसंधान की पेशकश • पेज 5

घर-घर बनाए जा रहे मास्क, वितरण में जुटे सेवादार • पेज 6

### संडे बॉक्स

**'कृष्ण' ने कहा, मैं इस भूमिका के लिए ही जन्मा**

**नई दिल्ली** : टीवी धारावाहिक महाभारत के दूरदर्शन पर एक बार फिर प्रसारित होने पर कृष्ण, द्रोपदी, कर्ण, युधिष्ठिर, गांधारी और दुर्योधन की भूमिका निभाने वाले अभिनेताओं ने उस दौर की यादें साझा कीं। (पेज-10)

**रविवार विशेष**

**सचमुच विश्व गुरु! भारतीय गर्वित, दुनिया चकित**

**लखनऊ** : आज एक बार फिर भारतीय ज्ञान परंपरा की चर्चा दुनिया कर रही है। जिस महामारी को लेकर हाहाकार मचा है, भारतीय ग्रंथों में हजारों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यवाणी कर दी गई थी। (पेज-12)

# हर प्रवासी मजदूर को मिलेगी मदद

**फैसला** ▶ परिस्थितियों की जटिलता को देखते हुए सभी जरूरतमंदों के रहने-खाने का होगा प्रबंध

**पैदल ही घरों की ओर निकल पड़े लोगों को हाइवे किनारे ही दिया जाएगा आसरा**

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

कोरोना वायरस के विरुद्ध युद्ध के लिए घोषित देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान उपजी परिस्थितियों को देखते हुए हर प्रभावित की मदद के लिए केंद्र सरकार ने कमर कस ली है। इसी दिशा में गृह मंत्रालय ने राज्यों को निर्देश दिया है कि विपरीत हालात में महानगरों से पैदल ही सैकड़ों मील दूर अपने घरों की निकल पड़े प्रवासी मजदूरों के रहने, खाने का इंतजाम किया जाए। लॉकडाउन के दौरान देश के हालात की समीक्षा के लिए बुलाई गई बैठक के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया कि सरकार प्रवासी मजदूरों की हर तरह से सहायता के लिए वचनबद्ध है।

देशव्यापी लॉकडाउन के बाद से कई जगहों पर बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर अपने गांव-घर की ओर पैदल ही निकल पड़े हैं। निसंदेह इससे महामारी से लड़ने के लिए किए गए लॉकडाउन के उद्देश्यों को हासिल करने पर भी सवाल उठने लगे थे। गृह मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि लॉकडाउन की समीक्षा बैठक के दौरान यह मुद्दा सामने आया। इस पर अमित शाह ने अधिकारियों को मजदूरों की सहायता के लिए तत्काल जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया। बैठक के बाद राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने वापस लौट रहे मजदूरों के लिए हाईवे के किनारे ही कैंप बनाने और खाने-पीने समेत तमाम सुविधाओं का इंतजाम करने को कहा। जो मजदूर अभी तक शहर से बाहर नहीं निकले हैं, उनके लिए भी समुचित प्रबंध करने को कहा गया है।

**प्रचार के हर माध्यम से पहुंचाएंगे सूचना** : प्रवासी मजदूरों तक सरकार की ओर से उनकी सहायता के लिए उठाए कदमों की जानकारी नहीं पहुंचने और उनके बीच फैल रही अफवाहों को दूर करने के लिए केंद्र ने राज्य सरकारों को व्यापक प्रचार अभियान चलाने का निर्देश दिया है। इसके लिए लाउडस्पीकर व अन्य माध्यमों के साथ-साथ एनजीओ और अन्य एजेंसियों की मदद ली जा सकती है। गृह सचिव ने साफ कर दिया कि लॉकडाउन के दौरान प्रवासी मजदूरों को किसी तरह की कोई समस्या नहीं होनी चाहिए।

फंड की कमी के कारण कुछ राज्यों की ओर से प्रवासी मजदूरों पर ध्यान नहीं देने की आशंका को देखते हुए केंद्र सरकार ने राज्यों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना का इस्तेमाल करने को कहा है। इस योजना में खासतौर पर लॉकडाउन के दौरान तीन महीने तक हर महीने प्रत्येक व्यक्ति को पांच किलो चावल या गेंहू और एक परिवार को एक किलो दाल उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही सरकार ने राज्यों को प्रवासी मजदूरों पर आने वाले खर्च के लिए आपदा प्रबंधन फंड से धन निकालने की अनुमति भी दे दी है। गृह मंत्रालय की संयुक्त सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कहा कि राज्य आपदा राहत फंड (एसडीआरएफ) के तहत राज्य सरकारों के पास 29 हजार करोड़ रुपये पहले से मौजूद हैं।

बाल आयोग ने भी जताई चिंता पेज>>4

कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के बाद अचानक उपजे हालात के तहत दिल्ली-एनसीआर से प्रवासी श्रमिकों ने अपने सुदूर गांवों-घरों का रुख कर लिया है। बसें चलने की सूचना पर शनिवार को हजारों की संख्या में लोग कौशांबी-आनंद विहार बस अड्डे पर जुट गए और गंतव्य को रवाना हुए। इस दौरान भीड़ को संभालने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। मनोज कुमार

# बाहर से आ रहे किसी को नहीं घुसने देंगे बिहार में : नीतीश

**जेएनएन, नई दिल्ली**

कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए शुरू हुए लॉकडाउन के बाद पलायन से विषम परिस्थिति पैदा हो गई हैं। ऐसे में बिहार के मुख्यमंत्री ने कहा है कि किसी भी यात्री को लेकर आ रहे वाहन को बिहार की सीमा पर रोक दिया जाएगा। नीतीश कुमार ने साफ कह दिया है कि ऐसे तो लॉकडाउन ही फेल हो जाएगा। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि पिछले तीन दिन में प्रदेश में करीब एक लाख लोगों को अनिवार्य रूप से क्वारंटाइन में रखा जाएगा।

बता दें कि दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों से पैदल ही अपने गांव की ओर निकल पड़े लोगों की मदद के लिए बसें रवाना कर दी गईं। नोएडा और गाजियाबाद से बिहार के लिए बसें चल पड़ीं हैं। इस सूचना के बाद नीतीश कुमार ने उच्चस्तरीय बैठक कर सीमा पर वाहनों को सीमा पर रोकने और यात्रियों के लिए आपदा राहत शिविर लगाए जाने का फैसला लिया है।

ऐसे में अब झारखंड, बंगाल और यूपी की सीमा से भी कोई वाहन बिहार में अंदर नहीं आ सकेगा। यात्रियों को सीमा पर ही उतार कर भोजन, आवास और चिकित्सा आदि की पूरी व्यवस्था रहेगी। मुख्यमंत्री स्वयं इसकी मॉनीटरिंग कर रहे हैं। शिविर में बच्चों के लिए भी इंतजाम किए जा रहे। कम्यूनिटी किचेन चलाया जा सकता है।

▶ **बिहार के सीएम ने कहा- ऐसे होगा पलायन से तो फेल हो जाएगा लॉकडाउन**

▶ **उत्तर प्रदेश में भी एक लाख लोगों का होगा क्वारंटाइन**

नीतीश कुमार। फाइल

इस आदेश के तुरंत बाद मुख्य सचिव दीपक कुमार ने राज्य के सभी सीमावर्ती जिलों के जिलाधिकारियों को इंतजाम करने का निर्देश दिया है।

**बाहर से आए एक लाख लोगों को क्वारंटाइन में रखेगा उप्र** : कोरोना संक्रमण से सजग उत्तर प्रदेश सरकार की नजर लगातार उन लोगों पर है, जो दूसरे राज्यों से आ रहे हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि बुधवार से लेकर शुक्रवार तक प्रदेश में करीब एक लाख लोगों को निगरानी रखने के साथ इन्हें अनिवार्य रूप से क्वारंटाइन में रखा जाए। इसके साथ ही जनता की सुरक्षा, सुविधा और स्वास्थ्य के लिए गठित समितियों की समीक्षा में उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि प्रदेश में कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं रहना चाहिए।

लॉकडाउन फेल होने की आशंका पर मुखर हुए बिहार के मुख्यमंत्री पेज>>4

# कोरोना से जंग में टाटा ने दिए 1500 करोड़

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

कोरोना वायरस के संक्रमण से पैदा हुए हालात से निपटने की मुहिम में टाटा संस और टाटा ट्रस्ट ने दरियादिली दिखाते हुए संयुक्त रूप से 1500 करोड़ रुपये की मदद का एलान किया है। इस धनराशि का उपयोग स्वास्थ्यकर्मियों और कोरोना वायरस से प्रभावितों के लिए आवश्यक मेडिकल सुरक्षा उपकरण, जांच के लिए किट्स की खरीद और उपचार सुविधाओं की स्थापना के लिए किया जाएगा।

इस संबंध में जारी बयान में रतन टाटा ने कहा है, 'टाटा ट्रस्ट और टाटा समूह की कंपनियां पहले भी हमेशा जरूरत के वक्त देश के काम आई हैं। लेकिन कोरोना का ये संकट पिछले सारे संकटों से बड़ा है। मेरा मानना है कि इस असाधारण कठिन दौर में मानव प्रजाति के इतिहास की सबसे कठिन चुनौतियों में से एक है। टाटा ट्रस्ट सभी प्रभावित समुदायों की सुरक्षा की शपथ के अनुसार चिकित्साकर्मियों को सुरक्षात्मक उपकरण, मरीजों के लिए श्वसन प्रणालियां एवं जांच किट खरीदने, संक्रमित रोगियों के लिए माडुलर उपचार सुविधाओं की स्थापना तथा स्वास्थ्यकर्मियों एवं पीड़ितों के ज्ञान प्रबंधन एवं प्रशिक्षण की खातिर 500 करोड़ रुपये के योगदान की घोषणा करता है।'

▶ **टाटा संस ने 1000 करोड़ और टाटा ट्रस्ट ने 500 करोड़ की मदद का किया एलान, रतन टाटा ने इस संकट को मानव प्रजाति के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया**

रतन टाटा। फाइल

रतन टाटा ने कहा कि टाटा ट्रस्ट, टाटा संस तथा टाटा ग्रुप की कंपनियां अपने समर्पित देशी-विदेशी साझेदारों तथा सरकारों के साथ मिलकर कोरोना के खिलाफ संयुक्त रूप से सार्वजनिक स्वास्थ्य की लड़ाई लड़ेंगी तथा समाज के सभी वंचित और कमजोर तबकों तक पहुंचने का प्रयास करेंगी।

वहीं, टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखर ने कहा कि टाटा ट्रस्ट के साथ मिलकर काम किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'टाटा ट्रस्ट द्वारा की गई पहल के अलावा, हम आवश्यक वेंटिलेटर भी ला रहे हैं और भारत में भी जल्द ही इसका निर्माण करने के लिए कमर कस रहे हैं। देश एक गंभीर स्थिति और संकट का सामना कर रहा है। हम जिन समुदायों की सेवा करते हैं, उनके जीवन को बचाने के लिए हम जो कुछ भी कर सकते हैं, हमें करना होगा।'

# बिना हिस्ट्री वाले संक्रमित मरीजों ने बढ़ाई केंद्र सरकार की चिंता

**नीलू रंजन, नई दिल्ली**

बिना किसी हिस्ट्री के कोरोना मरीजों ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। वैसे भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) का कहना है कि ऐसे मरीजों की संख्या बहुत कम है और स्थिति फिलहाल पूरी तरह नियंत्रण में है। इसके साथ ही आइसीएमआर ने एक बार फिर साफ किया कि देश में टेस्ट किट की कोई कमी नहीं है, लेकिन अभी मास टेस्ट की जरूरत नहीं है। वहीं, स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी की जा रही है।

आइसीएमआर के डॉ. रमन गंगाखेड़कर ने स्वीकार किया कि सांस की गंभीर बीमारी से ग्रसित कुछ व्यक्तियों को कोरोना वायरस पॉजिटिव पाया गया है, जिनकी विदेश यात्रा या फिर किसी कोरोना वायरस से ग्रसित व्यक्ति के संपर्क में आने की हिस्ट्री नहीं है। लेकिन उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि उनकी संख्या बहुत ही कम है और इसे कम्युनिटी ट्रांसमिशन का मामला नहीं माना जा सकता है। उनके अनुसार, संचारी रोगों में कई बार लोगों को अपनी हिस्ट्री छिपाते हुए देखा गया है। कोरोना के मामले में भी कुछ ऐसे केस आए हैं जो शुरू में अपनी विदेश यात्रा को छिपाते रहे, लेकिन बाद में स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा कि अपनी हिस्ट्री नहीं बताने वाले मरीजों की जांच की जा रही है कि उन्हें यह वायरस कहां से मिला।

▶ **आइसीएमआर ने कहा- संख्या बहुत कम, हिस्ट्री पता लगाने की हो रही कोशिश**

डॉ. गंगाखेड़कर के अनुसार, देश में जांच किट की कमी नहीं है और अमेरिका से पांच लाख किट आ गए हैं। उन्होंने बताया कि सरकारी लैब में 12 हजार हर दिन जांच की क्षमता है, लेकिन इसके 30 फीसद का ही इस्तेमाल हो रहा है। वहीं निजी लैब में जांच शुरू हो गई है और अब तक 440 लोग वहां जांच करा चुके हैं। उन्होंने कहा कि जिस किसी को भी जांच की जरूरत पड़ रही है, जांच की जा रही है। फिलहाल मास टेस्टिंग की जरूरत नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने देश में फिलहाल प्वाइंट ऑफ केयर टेस्ट (घर में ही टेस्ट कराने की सुविधा) की इजाजत देने से भी इन्कार कर दिया। उन्होंने कहा कि बहुत सारे लोग ऐसे होंगे जो वायरस से ग्रसित होने के बाद भी इसकी जानकारी किसी को नहीं देंगे और यह खतरनाक हो सकता है। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर इस पर बाद में विचार किया जा सकता है।

हॉटस्पॉट पर विशेष नजर पेज>>5

### मिसाल

समाज को राह दिखाने वाला है हिमाचल के शोकाकुल माता-पिता का यह फैसला, कुल्लू जिला निवासी 25 साल के रोबिन की 12 दिन पहले हो चुकी थी मौत, आज है तेरहवीं, दो हजार लोगों को मास्क बांटेंगे माता-पिता

# तेरहवीं पर भोज की जगह दान करेंगे मास्क

**जीना इसी का नाम है**

**दविंद्र ठाकुर, कुल्लू**

संकट के समय में थोड़ा सा विवेक, थोड़ा सा साहस किस प्रकार रूढ़ियों को तोड़ कर नई इबारत लिखता है, इसकी मिसाल बने हैं कुल्लू, हिमाचल प्रदेश के गुमान सिंह। पर्यावरणविद एवं हिमालय नीति अभियान के संयोजक गुमान सिंह और उनकी पत्नी समाजसेविका हरा देवी अपने 25 वर्षीय पुत्र रोबिन की मृत्यु के सदमे से जूझ रहे हैं। लेकिन वह रविवार, 29 मार्च को रोबिन की तेरहवीं की रस्म, भोज इत्यादि करने के बजाय कोरोना के खिलाफ जंग में शामिल होंगे और 2000 मास्क बांटेंगे।

बंजार उपमंडल में खुंदन गांव में रहने वाले रोबिन की मृत्यु 12 दिन पहले ही हुई है। जाहिर है, संवेदना जताने के लिए रिश्तेदारों और गांव वालों की भीड़ जुटनी थी और सामूहिक भोज भी होता। लेकिन इन्होंने देश पर कोरोना वायरस के संकट के मद्देनजर परंपरागत रस्मों और रिवाजों को नया मोड़ दे दिया। गुमान सिंह और हरा देवी के घर न कोई भीड़ जुटेगी और न कोई कार्यक्रम होगा। फैसला लिया कि तेरहवीं पर जो खर्च आना था, उसी से मास्क बनवाएंगे और 2000 लोगों को मुफ्त बांटेंगे। महिला मंडल व स्वयं सहायता समूह मास्क बनाने में जुटे हैं।

मेरा बेटा असमय चला गया। उसकी तेरहवीं पर खर्च होने वाला पैसा महिला मंडलों व स्वयं सहायता समूहों को दो हजार मास्क बनाने के लिए दे दिया है। बंजार क्षेत्र की दूरदराज पंचायतों गाड़ागुशैणी, खौली, वलीधार और पलाहच कलवारी, खुंदन, देहुरी, सिधवां आदि गांव में मास्क नहीं मिल रहे हैं। हिमालय नीति अभियान के सदस्य 29 मार्च को इन जगहों पर लोगों को मुफ्त मास्क बांटेंगे।

- गुमान सिंह, स्व. रोबिन के पिता

हिमालय नीति अभियान के संयोजक गुमान सिंह और उनकी पत्नी हरा देवी। सौ. स्वजन

# प्रधानमंत्री मोदी आज करेंगे 'मन की बात'

नई दिल्ली, आइएएनएस : कोविड-19 महामारी को लेकर लागू देशव्यापी लॉकडाउन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर महीने रेडियो पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रम 'मन की बात' का प्रसारण रविवार को होने जा रहा है। प्रधानमंत्री ने ट्विटर पर रविवार को इसके लिए लोगों से विचार एवं सुझाव मांगे हैं।

मोदी ने ट्वीट किया है, 'इस महीने की 29 तारीख को 'मन की बात' का प्रसारण होगा। कार्यक्रम के लिए आपके सुझाव सुनकर बहुत खुशी होगी। अपना संदेश रिकॉर्ड कराने के लिए 1800-11-7800 डायल करें या फिर माइगोव और नमो एप पर विचार साझा करें।' अनुमान है कि मोदी कार्यक्रम में स्वास्थ्य, हाइजीन और कोरोना वायरस पर देश की लड़ाई पर बात करेंगे। सूत्रों के मुताबिक पीएम 'मन की बात' को कोरोना वायरस योद्धाओं को समर्पित कर सकते हैं। इन योद्धाओं में डॉक्टर, नर्स और पुलिसकर्मी आदि शामिल हैं।

# बिजली ग्राहकों को भी राहत देने की तैयारी

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

▶ **केंद्र सरकार ने राज्यों को दिया सुझाव- तीन महीने बिल अदायगी नहीं होने पर भी ग्राहकों पर नहीं लगाए जुर्माना**

कोरोना से जिस तरह से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है उससे आम जनता को बिजली बिल के भुगतान से भी राहत मिलने की संभावना है। केंद्र सरकार ने अपनी तरफ से बिजली उत्पादक कंपनियों को निर्देश दे दिया है कि अगर राज्यों की बिजली वितरण कंपनियां (डिस्कॉम) तीन महीनों तक भुगतान नहीं कर सकती हैं तो उन पर जुर्माना नहीं लगाया जाए।

साथ ही राज्यों से कहा गया है कि वे डिस्कॉम से निर्देश दें कि अगर बिजली उपभोक्ता मार्च से मई, 2020 तक अपने बिल का भुगतान नही कर पाते हैं तो उन पर पेनाल्टी नहीं लगाएं। इस बारे में अंतिम फैसला राज्य सरकारें अपने बिजली नियामक प्राधिकरणों से विमर्श के बाद करेंगी। बिजली मंत्री आरके सिंह ने बताया कि हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि देश में चौबीसों घंटे बिजली की निर्बाध आपूर्ति हो। अभी यह संभावना है कि डिस्कॉम को समय पर बिजली बिल नहीं मिल पाएगा इसलिए मौजूदा नियमों में बदलाव जा रहा है ताकि बिजली आपूर्ति में कोई समस्या न हो। पहला बदलाव यह किया जा रहा है कि पहले के आपूर्ति का भुगतान नहीं होने के बावजूद डिस्कॉम को बिजली दी जाती रहेगी। इस बारे में बिजली कंपनियों को कहा गया है कि कोई डिस्कॉम भुगतान भी नहीं कर पा रही है तब भी उसे पर्याप्त बिजली आपूर्ति की जाएगी। पेमेंट सेक्योरिटी व्यवस्था के तहत पहले किए जाने वाले भुगतान की राशि भी 50 फीसद घटाई जा रही है। साथ ही राज्यों से कहा गया है कि वे डिस्काम को निर्देश दें कि अगर कोई ग्राहक समय पर भुगतान नहीं कर पाता है तो उस पर ज्यादा पेनाल्टी न लगाएं।

राज्य सरकारें करेंगी फैसला, किसे देनी है कितनी राहत पेज>>5